

प्रेषक,  
जे०पी० जोशी,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,  
आयुक्त एवं सचिव,  
राजस्व परिषद,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

राजस्व अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 17 मार्च, 2017

विषय:-वित्तीय वर्ष 2016-17 के आयोजनागत पक्ष में कृषि गणना (100 प्रतिशत के०पो०) योजना के लिए धनराशि की स्वीकृति प्रदान किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक सहायक निदेशक, कृषि गणना, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड के पत्र संख्या-5327/अनुभाग-7/01/2016-17 दिनांक 09 जनवरी, 2017 व पत्र संख्या-5650/अनुभाग-7/01/2016-17 दिनांक 30 जनवरी, 2017 एवं वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-504/XXXVII(1)/2016 दिनांक 04 अप्रैल, 2016 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 के आयोजनागत पक्ष में कृषि गणना योजना (100 प्रतिशत के०पो०) हेतु शासनादेश संख्या-533/XVIII(1)/2016-1(8)/2016 T.C-II दिनांक 09 मई, 2016 द्वारा पूर्व में आबटित धनराशि ₹ 4065 हजार (₹ चालीस लाख पैंसठ हजार मात्र) के अतिरिक्त वर्तमान में योजना के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2029-भू-राजस्व-00-आयोजनागत-103-भू-अभिलेख-04-कृषि गणना(100 प्रतिशत के०पो०)-0401-मुख्यालय के आयोजनागत पक्ष की वचनबद्ध/अवचनबद्ध की संलग्नक तालिका में उल्लिखित मानक मदों की धनराशि कुल ₹ 876 हजार (₹ आठ लाख छियत्तर हजार मात्र) आपके निर्वर्तन पर रखते हुए नियमानुसार आहरण/व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. प्रश्नगत धनराशि केन्द्रांश में प्राप्त धनराशि ₹ 4974 हजार (₹ उनपचास लाख चौहत्तर हजार मात्र) के सापेक्ष निर्गत की जा रही है।
2. प्रश्नगत मदों में धनराशि का व्यय/आहरण नियमानुसार भारत सरकार द्वारा दिये गये दिशा/निर्देशानुसार निर्धारित सीमा में किया जाय।
3. वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों के अन्तर्गत आहरण एवं व्यय किशतों में वास्तविक आवश्यक/न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर ही किया जायेगा, तथा बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय, और न ही अधिक व्यय भार सृजित किया जायेगा।
4. प्रत्येक दशा व प्रकरण में मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय, तथा मितव्ययता के सम्बन्ध में योजना बना ली जाय। तदनुसार प्रत्येक मद के संबंध में प्राविधानित आबटित धनराशि के सापेक्ष बजट का लक्ष्य पूर्व से ही निर्धारित कर बचत सुनिश्चित की जायेगी।
5. किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1, (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक से सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियमों, शासनादेशों आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
6. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में व्यय की प्रतिमाह दिनांक 05 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-8 पर विभागाध्यक्ष सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
7. धनराशि को व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें धनराशि व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय, तथा 01-वेतन, 03-मंहगाई भत्ता, 06-अन्य भत्ते से पुर्नविनियोग पूर्णतः वर्जित है।

8. वित्तीय स्वीकृतियों के संबंध में व्यय की अनुश्रवण की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय, और यदि किसी मामले में सीमा से अधिक व्यय अथवा विचलन दृष्टिगोचन हो तो तत्काल संज्ञान में लाया जाय।
  9. जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाए उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ संबंधित अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।
  10. बजट नियंत्रण अधिकारी/विभागाध्यक्ष बी0एम0-10 प्रारूप में बजट नियंत्रण पंजिका में उनके स्तर पर उपलब्ध बजट तथा उनके स्तर से अधीनस्थ अधिकारियों/आहरण वितरण अधिकारियों को आबंटित बजट का विवरण रखा जाय।
  11. इस संबंध में संबंधित विभागाध्यक्ष/बजट नियंत्रण अधिकारी जिनके नमूना हस्ताक्षर समस्त कोषागारों में प्रचलित हो, के हस्ताक्षर से अनुदान के अधीन आयोजनागत एवं आयोजनेत्तर पक्ष की धनराशियां जारी की जाय अन्यथा कोषागार द्वारा भुगतान नहीं किया जायेगा, जिसके लिए संबंधित अधिकारी उत्तरदायी होंगे।
  12. मानक मद के अधीन प्रतीक (Token) के रूप में रखी गयी धनराशि का आहरण/व्यय कदापि नहीं किया जायेगा।
  13. बगैर वित्त विभाग की सहमति के किसी स्तर से किसी भी प्रकार के पुर्नविनियोग पर पूर्ण प्रतिबन्ध है।
- 2- अतः इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के अनुदान संख्या-06 के अधीन लेखाशीर्षक-2029-भू-राजस्व-00-आयोजनागत-103-भू-अभिलेख-04-कृषि गणना(100 प्रतिशत के0पो0)-0401-मुख्यालय के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों की सुसंगत ईकाईयों के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-286P/XXVII(5)/2017 दिनांक 16 मार्च, 2017 में प्रदत्त प्राधिकार/दिशानिर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(जे0पी0 जोशी)  
उपर सचिव।

संख्या-1690/XVIII(1)/2017 एवं तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़ माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार (आडिट), वैभव पैलेस, इन्द्रानगर, देहरादून।
3. आयुक्त, गढ़वाल/कुमाऊं मण्डल, पौड़ी/नैनीताल।
4. निदेशक, कोषागार, पेंशन एवं हकदारी, 23 लक्ष्मी रोड़, डालनवाला, देहरादून।
5. वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, 25 लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
6. समस्त जिलाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. वित्त नियंत्रक, राजस्व परिषद, देहरादून।
8. सहायक निदेशक, कृषि गणना, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड, देहरादून।
9. बजट, राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
10. वित्त (व्यय नियंत्रक) अनुभाग-5/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
11. गार्ड फाईल।

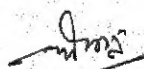
आज्ञा से,

(चन्दन सिंह रावत)  
उप सचिव।

शासनादेश संख्या- 269 / XVIII(1)/2017-01(8)/2016T.C-1 दिनांक 17 मार्च, 2017 का संलग्नक  
(धनराशि ₹ हजार में)

लेखाशीर्षक एवं मानक मद	स्वीकृति हेतु प्रस्तावित धनराशि 2016-17	
	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
2029 भू-राजस्व		
103 भू-अभिलेख		
04 कृषि गणना (100% के०पो०)		
0401 मुख्यालय		
01 वेतन	170	
02 मजदूरी	0	
03 महंगाई भत्ता	0	
04 यात्रा भत्ता	0	
05 स्थानान्तरण यात्रा व्यय	0	
06 अन्य भत्ते	40	
07 मानदेय	0	
08 कार्यालय व्यय	0	
11 लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	650	
12 कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	0	
13 टेलीफोन पर व्यय	16	
16 व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	0	
22 आतिथ्य व्यय विषयक भत्ता आदि	0	
27 चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	0	
42 अन्य व्यय	0	
44 प्रशिक्षण	0	
45 अवकाश यात्रा व्यय	0	
46 कम्प्यूटर हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर क्रय	0	
47 कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	0	
<b>योग 01</b>	<b>876</b>	

(₹ आठ लाख छियत्तर हजार मात्र)

  
(चन्दन सिंह रावत)  
उप सचिव।